Concern over continuous Shrinking of Agricultural Land

श्री बनवरी लाल कंछल: (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इस देश में खेती की जमीन लगातार घटती जा रही है, रेज घट रही है और यह कई कारणों से घट रही है। इस वक्त मैं SEZ जैसे विषय पर नहीं जाना चाहता हूं, मगर इसके दो-तीन कारण में सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं। देश में इस समय सभी धर्मों के सौ से ज्यादा संत, महात्मा और कथावाचक ऐसे हैं, जिनमें आश्रम बनवाने की होड़ लगी हुई है, बड़े-बड़े आश्रम बनवाने की होड़, बल्कि पांच- पांच एकड़ के, दस-दस एकड़ के, पचास –पचास एकड़ के, सौ-सौ एकड़ के आश्रम है। अब आप बताइए, अगर ये आश्रम पच्चीस-पच्चीस एकड़ के, पचास-पचास एकड़ के सभी धर्मो के बन जाएंगे, किसी एक धर्म के नहीं, तो कृषि की जमीन घटेगी या नहीं घटेगी? इसलिए मैं सदन के ध्यान में यह बात लाते हुए आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से यह अनुरोध करूंगा कि ऐसे आश्रमों के बनने पर रोक लगानी चाहिए आव्र एक कमेटी बननी चाहिए, जो देखे कि जो यदि कोई एक एकड़ से ज्यादा जगह खरीदता है तो उसका परपज क्या है और वह जगह उसकी अनुमति से ही खरीदी जाए।

महोदय, दूसरा कारण यह है कि आज जितने भी बड़े और छोटे शहर है, जिला मुख्यालय के शहर, उनके बाहर फार्म-हाउस और बारात-घर बनाने को होड़ लग गई है। बड़े-बड़े ब्यूरोक्रेट्स, जिनके पास लूट का पैसा है और बड़े-बड़ धन्ना सेठ, पूंजीपति पांच-पांच एकड़, दस-दस एकड़ के फार्म-हाउस धड़ाधड़ बनाते चले जा रहे हैं और सरकार को कोई चिंता नहीं है। इन फार्म-हाउसों और बारात-घरों के कारण सड़कों के किनारे जो कृषि की अमूल्य जमीन है। वह लगातार घटती जा रही है। इसी तरीके से तीसरा कारण यह है कि देश के पांच सौर बड़े पूंजीपति बड़े-बड़े शॉपिंग माल बनाते जा रहें है, तीन-तीन मील के शॉपिंग माल बनाते जा रहे हैं। गुड़गांव में तीन किलोमीटर का एक लंबा, बड़ा शॉपिंग माल बनाया गया है। तो ये एक-एक लाख, दो-दो लाख, तीन तीन लाख फुट के शॉपिंग माल बन रह है और इससे कृषि जमीन का क्षय होता जा रहा है।

उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से सदन का और अपने कृषि मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करते हुए निवेदन करता हूँ कि इन पर तत्काल रोक लगाने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश)ः सर, मैं एसोसिएट करता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री अवनि राय (पश्चिमी बंगाल)ः सर, मैं एसोसिएट करता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृन्दा कारत (पश्चिमी बंगाल)ः सर, मैं एसोसिएट करती हूँ।

श्री सैयद अज़ीज पाशा (आन्ध्र प्रदेश)ः सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

डा0 राम प्रकाश (हरियाणा)ः सर मैं एसोसिएट कर रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : हां, सब एसोसिएट करते हैं । ...(**व्यवधान**)...

Kehabilitation-Cum-Revivai package of Hindustan Shipyard Limited, Visakhapatnam

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Deputy Chairman Sir, I would like to raise a very important issue regarding the Hindustan Shipyard Limited, Visakhapatnam. It is a very prestigious shipyard in the public sector. In fact, the people of India are so proud of the greatest contribution made by this shipyard to the shipping industry for so many years. But, unfortunately, about 7-8 years ago, when the shipping industry was in recession, nationally and internationally, the Hindustan Shipyard was in trouble, financially. Now, I would like to place before this august House as the matter stands today. The company has incurred Rs. 1106 crores loss in the last three years. The net worth is Rs. 950 crores. With the result, even though it has orders in hand for Rs. 1956 crores, it is not able to proceed further in spite of having high technology, quality of work, manpower, etc., because of lack of working capital.